जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

15 दिसंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

आर्किटेक्चर और एकिस्टिक्स के छात्रों ने किया विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श

विकसित भारत@2047 पहल के संदर्भ में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आर्किटेक्चर और एकिस्टिक्स संकाय के छात्रों ने जामिया के एफटीके-सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में स्थापित विचार केंद्र का दौरा किया और विकसित भारत@2047 के अपने दृष्टिकोण पर उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा प्रतिभाओं के विचारों पर एक इंटरैक्टिव सत्र के लिए 3 संकाय सदस्यों के साथ वास्तुकला विभाग तथा डिजाइन और नवाचार विभाग के कुल 10 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
छात्रों का मुख्य फोकस भारत के सभी पहलुओं में 'विश्वगुरु' बनने के विचार पर रहा। विचारों में भारतीय लोकाचार और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना, एक समृद्ध, न्यायसंगत, स्वस्थ, समावेशी और न्यायपूर्ण समाज सुनिश्चित करना, गांवों और शहरों के बीच की खाई को पाटना, 'स्मार्ट' गांवों और 'स्मार्ट' शहरों के टिकाऊ मॉडल को अपनाना, विश्व स्तरीय वास्तुकला और बुनियादी ढांचा जो जलवायु के प्रति लचीला और टिकाऊ भी है, 'हरित इमारतों' और 'बायोमिमिक्री' की अवधारणाओं का उपयोग, भली-भांति डिजाइन किए गए सुलभ सार्वजनिक स्थान, प्रकृति-आधारित सामग्रियों का उपयोग और उत्पाद और निपटान डिजाइन के लिए प्रकृति-आधारित रणनीतियों का उपयोग करना, और स्वचालन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उपयुक्त उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का उपयोग शामिल थे। उन्होंने प्रतिष्ठित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत कौशल-केंद्रित शिक्षा प्रणाली, अनुसंधान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के महत्व पर भी जोर दिया। हाशिये पर रहने वाले लोगों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने वाले उपयोगकर्ता-केंद्रित डिजाइन और सार्वभौमिक डिजाइन की प्रासंगिकता पर भी जोर दिया गया।

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर प्रोग्राम के छात्र निदा सिद्दीकी, फैजान अहमद, इंसाराम ए खान, तन्वी, मास्टर्स ऑफ आर्किटेक्चर प्रोग्राम के रोकिया, प्राची शर्मा, अब्दुल्ला जुबेरी, नबील, तुषार पांडे और निहाल कुमार, मास्टर ऑफ डिजाइन कार्यक्रम के छात्रों ने ओपिनिअंस प्रस्तुत की। छात्रों के साथ डॉ. तौसीफ मजीद, संकाय से आर्कि. मदीहा रहमान और प्रोफेसर हिना जिया भी थे।

छात्रों ने "विक्सित भारत@2047" के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अपना आत्मविश्वास और आशावाद व्यक्त किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया